* विशिष्ट शिक्षा का अर्थ :- साधारण शब्दों में विशिष्ट शिक्षा से तात्पर्य उस शिक्षा से है जो विशिष्ट बालकों को दी जाती है। विशिष्ट बालकों को सामान्य बालकों से भिन्न शैक्षिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

जे. डी. हण्ट के अनुसार- "विशिष्ट शिक्षा वह शिक्षा है जो शारीरिक, संवेगात्मक, या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों की शिक्षा से अलग है।"

* विशिष्ट शिक्षा की प्रकृति तथा महत्व :-
* विशिष्ट शिक्षा विशेष बालकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करती है चाहे वह प्रतिभाशाली हो या पिछड़ा।
* विशिष्ट बालकों को समाज के साथ समायोजन करने में सहायता करती है।
* विशिष्ट शिक्षा विशिष्ट बालकों को आत्मनिर्भर बनाती है तथा उनमें आत्मविश्वास की वृद्धि करती है।
* विशिष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षा सामग्री, विशेष पाठ्यक्रम, विशेष प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापकों की आवश्यकता होती है।
* विशिष्ट शिक्षा के द्वारा विशिष्ट बालकों को उनके स्तर के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जाता है।
* प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है अतएव विशिष्ट बालकों को विशिष्ट शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
* विशिष्ट शिक्षा से विशिष्ट बालकों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण में बदलाव लाती है।

Scanned with CamScanner

* विशिष्ट शिक्षा की विशेषताएं :-
  * विशिष्ट शिक्षा सामान्य शिक्षा का रूपान्तरण है।
  * विशिष्ट शिक्षा असमर्थ बालकों के लिए शिक्षण विधियों पर जोर देती है।
  * विशिष्ट शिक्षा योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से दी जाती है।
  * मानसिक मंदित बालकों को विशिष्ट शिक्षा से अत्यंत लाभ प्राप्त होता है।

* विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य :-
  * विशिष्ट बालकों की विशेष आवश्यकताओं की पूर्व पहचान एवं निर्धारण करना।
  * विशिष्ट बालकों को इस प्रकार शिक्षित करना कि वे अपने आपको समाज में समायोजित कर सकें।
  * ~~मानसिक~~ शारीरिक रूप से वंचित बालकों का पुनर्वासन करना।
  * शारीरिक रूप से वंचित बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी देना तथा सुधार हेतु सामूहिक संगठन तैयार करना।
  * विशिष्ट बालकों के माता पिताओं को निपुणता तथा कार्य-कुशलता के बारे में समझाना तथा बालकों की समस्याओं की रोकथाम के उपाय करना है।
  * अपंग बालकों में यह इच्छा उत्पन्न करना कि वे सामान्य बालकों के समान गति-विधियों में भाग ले सकते हैं।